

आभाषिक मुल्यांकन कसौटी
हिन्दी

पाठ्य :- 6

समय :- 2 घंटा

दिनांक :- 05/03/22

अंक :- 25

पुष्पः 1 निम्नलिखित पुष्पों के उार दो तीन वाक्यों में लिखिए।

1. इमारा मन पावन कैसे बनेगा ?

→ इमारा मन करुणा के जल से पावन बनेगा।

2. नैर्घोषियन कौसा इन्सान था ?

→ नैर्घोषियन सच्चा और निरुद्ध इन्सान था।

3. 'सच्चा दान प्रसंग' से हमें क्या सीख मिलती है ?

→ 'सच्चा दान प्रसंग' से हमें सीख मिलती है कि देशप्रेम से बढकार पुष्ट नहीं।

4. पत्र में पाता एवं संवर्धन किस और लिखा जाता है ?

→ पत्र में पाता एवं संवर्धन दाई और लिखा जाता है।

5. हम दुनिया में यश कैसे प्राप्ता कर सकते हैं ?

→ हम दुनिया में यश अच्छे काम करने पर प्राप्ता कर सकते हैं।

पुष्पः 2

उदाहरण के अनुसार क्रियाओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उदाहरण :-

पढ़ना - बच्ची पिलास पढ़ती है।

1. खेलना :-

बच्चे मैदान में ही खेलना पसंद करते हैं।

2. ईसना :-

हमें अच्छी सेवा के लिये ईसना चाहिए।

3. चीना :-

हमें खाने के लिये पानी चीना चाहिए।

4. पलना :-

इमें प्रातःकाल पलना पारिण।

5. खाना :-

सब लोगोंकी अच्छी सैइद के लिये खाना पारिण।

प्रश्न:3 परिच्छेद में से किन्हीं पाँच सुझावों के द्वारा उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर :- आँखों का पारा :-

→ मैं अपनी माँ की आँखों का पारा हूँ।

:- ईद का पौद :-

→ हम तो ईद का पौद ही गये ही कभी सुरा भी नहीं दिखाते।

:- नजर पुराना :-

→ मुँह बोलते घर लोग अपनी नजर पुराने हैं।

:- आग पगुला होना :-

→ बेटे को गला पारो देख कर उसको चितायी आग पगुले ही गये।

प्रश्न:4 चित्र के आधार पर 10 वाक्य लिखिए।

→ यह चित्र समुद्र तट का है।

→ समुद्र तट पर कई सारे लोग दिखाई दे रहे हैं।

→ इस चित्र में पतंग उड़ा रहा है। कुछ बच्चे रेत से मशम बना रहे हैं। और

→ इस चित्र में एक आइसक्रीमवाला है जो बच्चों को बेच रहा है।

→ इस चित्र में नौका पानी में तैर रही है उसमें बच्चे मछली मार रहे हैं।

→ एक बच्चा पानी में तैर रहा है। और मछली मार रहा है।

- मुखारे वाला बट्टी को मुखारे दे रहा है।
- इस चिट में दूर कहीं दो व्यक्ति बात-चीत कर रहे हैं।
- इस चिट में नारियल का पेड़ दिखाई दे रहा है।
- नारियल के पेड़ के निचे दो लोग बहुत बैठकर बातचीत कर रहे हैं।

प्रश्न 15 कोरोना काल में आपने घर पर रखर चढ़ाई कैसे की इसका वर्णन करो हुई अपनी मित्र को पत्र लिखिए।

भैरोंगंज

सिवनी

दिनांक :- 15-3-2022

प्रिय मित्र सुरेश,
नामस्ते।

मैं यहाँ पर कष्टम - पूर्णक दुःआशा करता हूँ आप भी परिवार सहित सफुलभ होगी।

जैसा कि आप जानते हैं वर्तमान में कोरोना महामारी सर्व व्याप्त है और विगत वर्ष से विद्युत्बन्ध बंद है। बंद की स्थिति में भी मैंने अपनी चढ़ाई जारी रखी है आशा करता हूँ आप भी अपनी चढ़ाई जारी रखी होगी।

एक वर्ष ऑनलाइन माध्यम से डिप्टी डिप्टी और हमारे शिक्षक भद्रदत्त की द्वारा हम छात्रों से साग संपर्क से हमारी चढ़ाई जारी रही। मैं कभी कभी व्यवधान हुआ किंगु पाकी इत तक हमने अपनी चढ़ाई को जारी रखने में सफलता प्राप्त की। साथ ही भूमिकाओं आधारीत वर्कशीट्स में प्राप्तांकी को आधार पर गुरुजी ने बताया कि मेरी चढ़ाई बेकार है।

शेष शुभ, आंटी जी एवं अंकल जी को प्रणाम स्वीता को स्नेह।

आपका मित्र

भोभा अत्पावी